सरकार निवेश परियोजनाओं की बाधाओं को दूर कर तेजी से अमली जामा पहनाने में जुटी

अटकी पड़ीं 130 निवेश परियोजनाएं जल्द शुरू होंगी

हिन्दुस्तान

खास

राज्य मुख्यालय | विशेष संवाददाता

यूपी सरकार ने अटकी हुई 130 निवेश प्रस्तावों को जमीन पर उतारने की तैयारी कर ली है। यह परियोजनाएं विभिन्न कारणों से आगे नहीं बढ़ पा रही हैं। इन निवेश परियोजनाओं में आ रही बाधाओं को चिन्हित कर उनका समाधान निकाला जा रहा है। इसे अब फास्ट ट्रैक मोड में लाकर अंजाम तक पहुंचाया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर इनको साल भर में पूरा करा लिया जाएगा। यह काम उसी तरह होगा जैसे 207 एमओयू वाली पूंजी निवेश प्रोजेक्ट को हकीकत में बदल कर उत्पादन शुरू करा दिया गया।

मुख्य सचिव आरके तिवारी ने इस निवेश परियोजनाओं की समीक्षा कर आनलाइन ट्रैकिंग सिस्टम विकसित कराया है। इसके साथ ही 150 नोडल अधिकारी लगाए गए हैं। यह अधिकारी निवेशकों से बात कर उनसे प्रोजेक्ट के संबंध में फीडबैक लेते हैं और इन्वेस्ट यूपी को बताते हैं। ज्यादातर बाधाएं जमीन, कब्जा, रजिस्ट्री, बिजली आपूर्ति, लाइसेंस आदि से जुड़ी हुई हैं। गौतमबुद्धनगर में ही टिग्ना इलेक्ट्रानिक्स, वन97 कम्युनिकेशन, हायर इंडिया, पतंजलि आयुर्वेद, सैमसंग डिस्प्ले, ओएसई इंफ्रास्ट्रक्चर, एसएस टेक्नो पार्क व हल्दीराम स्नैक्स आदि कंपनियों की परियोजनाओं के लग जाने पर हजारों करोड़ का निवेश होगा और लाखों को रोजगार भी मिलेगा। यही नहीं राज्य के दूसरे इलाकों में भी परियोजनाएं पाइपलाइन में हैं। मसलन, मथुरा में पेप्सिको, शाहजहांपुर में के आर पल्प, प्रयागराज में कनौडिया और अमेठी में एसीसी कंपनी की परियोजनाएं अभी क्रियान्वयन की श्रेणी में हैं।

परियोजनाओं की स्थिति (जनवरी 2021 तक)

प्रोजेक्टस उत्पादन शुरू		प्रभावी कार्यान्वयन		सरकार की ओर से पूरा	
एमओयू	निवेश	एमओयू	निवेश	एमओयू	निवेश
207	50516.64	130	35829.46	458	98106.09

*निवेश करोड़ रुपये

यह प्रोजेक्ट हो गए पूरे

गौतमबुद्धनगर में वर्ल्ड ट्रेड सेंटर का दस हजार करोड़ का निवेश प्रोजेक्ट और 7429 करोड़ का वीवो का प्रोजेक्ट पूरा हो गया है। इसके अलावा लखनऊ, प्रयागराज, कानपुर देहात, हरदोई, मेरठ, मिर्जापुर, बुलंदशहर,लखीमपुर खीरी, बरेली, रामपुर में भी प्रोजेक्ट लग गए हैं। यह काम दो साल से पहले पूरा हो गया।